मेहनत हो या इनोवेशन, प्रदेश की महिलाएं नंबर वन

ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं शहरी महिलाओं को दे रहीं टक्कर

लखनऊ। यूपी की महिलाओं में प्रोफेशनल कामकाज को लेकर अप्रत्याशित बदलाव आया है। एक तरफ कृषि क्षेत्र में 80 फीसदी महिलाएं खेतों से लेकर गोदामों तक में काम कर रही हैं तो दूसरी तरफ स्टार्टअप में भी उनका कोई सानी नहीं है।

यूपी के कुल स्टार्टअप में 50 फीसदी का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। यूपी में 12,401 स्टार्टअप पंजीकृत हैं, जिनमें से 6,297 महिलाओं के नाम हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं तो शहरी महिलाओं को टक्कर दे रही हैं। गांव में अपना रोजगार शुरू करने वाले लगभग 5400 लाभार्थियों में 4800 महिलाएं हैं।

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अनुसार प्रदेश में पंजीकृत 12,401 स्टार्टअप में से 6,297 का प्रबंधन और नेतृत्व महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। स्टार्टअप में महिलाओं को दी जा रही विशेष रियायत ने सकारात्मक प्रभाव डाला है।

महिला उद्यमियों को 50 फीसदी अतिरिक्त सब्सिडी मिलती है, जो अधिकतम 7.5 लाख रुपये तक है। इसके अलावा जिन स्टार्टअप में महिलाओं की हिस्सेदारी 26 फीसदी से अधिक है, उन्हें अतिरिक्त 50 फीसदी अनुदान मिलता है, जिसकी सीमा 3.75 लाख रुपये है। महिला उद्यमियों को एक वर्ष के लिए 17,500 रुपये महीना स्कॉलरशिप भी दी जा रही है। ब्यूरो

राज्य के उभरते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में भी उनकी स्थिति मजबूत

80% महिलाएं खेतों से लेकर गोदामों तक में कर रहीं काम

50% स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं

- 17,500 रुपये महीना स्कॉलरशिप भी मिलती है महिला उद्यमियों को

59% ले रहीं ओडीओपी का लाभ

- एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी), पीएम स्वनिधि से लेकर कृषि में भी महिलाओं का दायरा तेजी से बढ़ा है। प्रदेश में ओडीओपी का लाभ पाने वालों में 59 फीसदी महिलाएं हैं। पीएम स्वनिधि के तहत 10 हजार रुपये से छोटा सा कारोबार शुरू करने वालों में भी 32 फीसदी महिलाएं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो करीब 3.25 लाख महिलाओं ने इस योजना का लाभ लिया है।

सेवा क्षेत्र में भी 25 फीसदी महिलाएं

- परिवहन क्षेत्र में ड्राइवर और बस कंडक्टर जैसे कठिन पेशे में भी महिलाओं की हिस्सेदारी 10% है, जो दस वर्ष पहले 5% थी। सेवा क्षेत्र में 25% महिलाएं काम कर रही हैं लेकिन निर्माण सेक्टर में केवल 5% महिलाएं काम कर रही हैं। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में बढ़ई, मोची, नाई, दर्जी, लोहार जैसे 18 ट्रेड शामिल है। हैरत की बात है कि इस योजना में अभी तक शामिल करीब 80 हजार कुशल कारीगरों में से 50 हजार महिलाएं हैं।